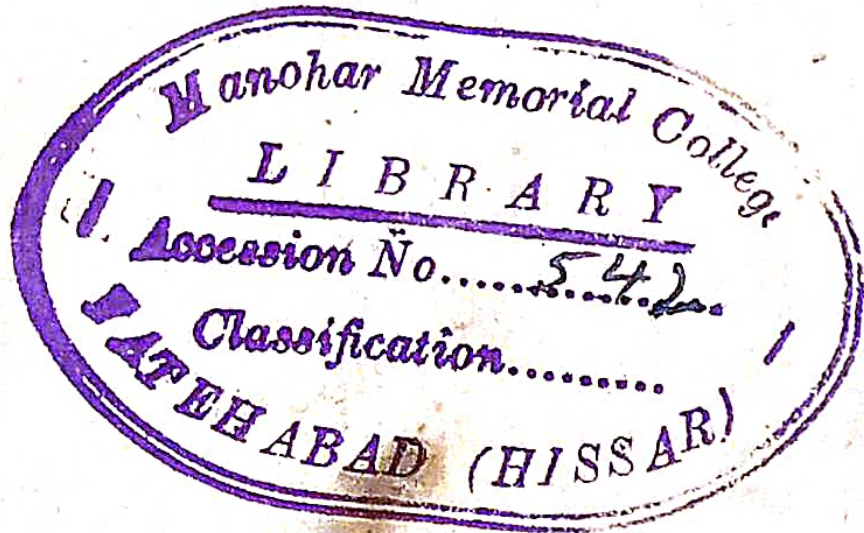


542

पत्रिका

इपे १५ १५



891.434

प्रिय मन्नो,
 तुम्हारा पत्र, जिस पर तुमने 'नितान्त व्यक्तिगत और गोपनीय' ख रखा था, उस तमाम सावधानी के साथ, जिसका आदेश तुमने बो को दिया था, उसने मुझे अकेले में दे दिया। वह पता भी दिया, स पर मुझे उसका उत्तर देना था और उसी पते पर मैं तुम्हें लिखे हूँ।

तुम हेमी से पढ़ने लगी हो, यह जान कर खुशी हुई। वह मेधावी र परिश्रमी लड़का है और यदि तुम मेरी तरह भावनाओं के चक्कर न पड़ीं, तो मुझे आशा है कि तुम बड़े अच्छे नम्बरों से बी० ए० लोगी।